

## व्याकरण विवेचन -१,२ व ३ स्वाध्याय

### व्याकरण-विवेचनम्-१

\*पदपरिचयः।

| नामानि।     |              |               |                    |                                               |                                   |                       |
|-------------|--------------|---------------|--------------------|-----------------------------------------------|-----------------------------------|-----------------------|
| क्र.        | रूपम्        | प्रातिपदिकम्  | प्रकारः            | लिङ्गम्                                       | विभक्तिः                          | वचनम्                 |
| १.          | वणिग्        | वणिज्         | जकारान्तम्         | पुंलिङ्गम्                                    | प्रथमा                            | एकवचनम्               |
| २.          | सहकारिभिः    | सहकारिन्      | इन्नन्तम्          | पुंलिङ्गम्                                    | तृतीया                            | बहुवचनम्              |
| ३.          | पक्षिणः      | पक्षिन्       | इन्नन्तम्          | पुंलिङ्गम्                                    | प्रथमा, द्वितीया<br>पञ्चमी, षष्ठी | बहुवचनम्<br>एकवचनम्   |
| ४.          | द्विजच्छद्मा | द्विजच्छद्मन् | अन्नन्तम्          | पुंलिङ्गम्                                    | प्रथमा                            | एकवचनम्               |
| ५.          | रूपधृक्      | रूपधृज्       | जकारान्तम्         | पुंलिङ्गम्                                    | प्रथमा                            | एकवचनम्               |
| ६.          | क्षमावन्तः   | क्षमावत्      | वत्- प्रत्ययान्तम् | पुंलिङ्गम्                                    | प्रथमा                            | बहुवचनम्              |
| ७.          | विनयिनी      | विनयिन्       | इन्नन्तम्          | स्त्रीलिङ्गम्                                 | प्रथमा                            | एकवचनम्               |
| ८.          | दूरवर्तिनम्  | दूरवर्तिन्    | इन्नन्तम्          | पुंलिङ्गम्                                    | द्वितीया                          | एकवचनम्               |
| सर्वनामानि। |              |               |                    |                                               |                                   |                       |
| क्र.        | रूपम्        | प्रातिपदिकम्  | पुरुषवाचकः         | लिङ्गम्                                       | विभक्तिः                          | वचनम्                 |
| ९.          | असौ          | अदस्          | तृतीयपुरुषः        | पुंलिङ्गम्,<br>स्त्रीलिङ्गम्                  | प्रथमा                            | एकवचनम्               |
| १०.         | सर्वे        | सर्व          | तृतीयपुरुषः        | पुंलिङ्गम्,<br>स्त्रीलिङ्गम्<br>नपुंसकलिङ्गम् | प्रथमा,<br>द्वितीया               | बहुवचनम्<br>द्विवचनम् |

### व्याकरण-विवेचनम्-२

\*प्र.१. धातवः।

| वर्तमानकालः।  |         |          |                  |              |          |          |
|---------------|---------|----------|------------------|--------------|----------|----------|
| क्र.          | रूपम्   | मूलधातुः | गणः, पदम्        | कालः / अर्थः | पुरुषः   | वचनम्    |
| १.            | जाने    | ज्ञा     | ९ उ.प. येथे आ.प. | वर्तमानकालः  | प्रथमः   | एकवचनम्  |
| २.            | जानन्ति | ज्ञा     | ९ उ.प. येथे प.प. | वर्तमानकालः  | तृतीयः   | बहुवचनम् |
| ३.            | आप्नोमि | आप्      | ५ प.प.           | वर्तमानकालः  | प्रथमः   | एकवचनम्  |
| प्रथमभूतकालः। |         |          |                  |              |          |          |
| क्र.          | रूपम्   | मूलधातुः | गणः, पदम्        | कालः / अर्थः | पुरुषः   | वचनम्    |
| ४.            | अशृणवम् | शृ       | ५ प.प.           | प्रथमभूतकालः | प्रथमः   | एकवचनम्  |
| ५.            | अतनोत्  | तन्      | ८ उ.प. येथे प.प. | प्रथमभूतकालः | तृतीयः   | एकवचनम्  |
| आज्ञार्थः।    |         |          |                  |              |          |          |
| क्र.          | रूपम्   | मूलधातुः | गणः, पदम्        | कालः / अर्थः | पुरुषः   | वचनम्    |
| ६.            | आप्नुहि | आप्      | ५ प.प.           | आज्ञार्थः    | द्वितीयः | एकवचनम्  |
| ७.            | शृणु    | शृ       | ५ प.प.           | आज्ञार्थः    | द्वितीयः | एकवचनम्  |

|             |          |          |                  |              |          |         |
|-------------|----------|----------|------------------|--------------|----------|---------|
| ८.          | तनवै     | तन्      | ८ उ.प. येथे आ.प. | आज्ञार्थः    | प्रथमः   | एकवचनम् |
| ९.          | गृहीष्व  | ग्रह्    | ९ उ.प. येथे आ.प. | आज्ञार्थः    | द्वितीयः | एकवचनम् |
| विध्यर्थः । |          |          |                  |              |          |         |
| क्र.        | रूपम्    | मूलधातुः | गणः, पदम्        | कालः / अर्थः | पुरुषः   | वचनम्   |
| १०.         | गृहीयात् | ग्रह्    | ९ उ.प. येथे प.प. | विध्यर्थः    | तृतीयः   | एकवचनम् |

**\*प्र.२. उचितं पदं चित्वा रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत ।**

१. पापमिदं कर्तुं मे मनोऽतीव \_\_\_\_\_ ।  
(दुनोषि, दुनोति, दुनुयुः)

उत्तरः पापमिदं कर्तुं मे मनोऽतीव दुनोति ।

२. यूयं मूर्खस्य वचनं मा \_\_\_\_\_ ।  
(शृणु, शृणुत, शृणोतु)

उत्तरः यूयं मूर्खस्य वचनं मा शृणुत ।

३. स मुंबईविद्यापीठात् संस्कृताङ्गलाविषययोः उच्चशिक्षणम्  
\_\_\_\_\_ ।  
(अगृह्णत, अगृह्णीत, अगृह्णात्)

उत्तरः स मुंबईविद्यापीठात् संस्कृताङ्गलाविषययोः उच्चशिक्षणम्  
अगृह्णात् ।

४. विगते मासे एव मम परीक्षा \_\_\_\_\_ ।  
(समाप्नोत्, समाप्नुवन्, समाप्नुत)

उत्तरः विगते मासे एव मम परीक्षा समाप्नोत् ।

५. रक्षाबन्धनावसरे मम भगिनी मम हस्ते रक्षासूत्रं \_\_\_\_\_ ।  
(बध्नाति, बध्नन्ति, बध्नीतः)

उत्तरः रक्षाबन्धनावसरे मम भगिनी मम हस्ते रक्षासूत्रं बध्नाति ।

६. अहं मम जीवने नाविन्यं कथं \_\_\_\_\_ ।

(साध्नुयुः, साध्नुयाम्, साध्नुयात्)

उत्तरः अहं मम जीवने नाविन्यं कथं साध्नुयाम् ।

७. विद्वानेव \_\_\_\_\_ विद्वज्जनपरिश्रमम् ।

(विजानाति, विजानीतः, विजानन्ति)

उत्तरः विद्वानेव विजानाति विद्वज्जनपरिश्रमम् ।

८. सा सरस्वती \_\_\_\_\_ मतिं मे ।

(तनुष्व, तनवे, तनुताम्)

उत्तरः सा सरस्वती तनुताम् मतिं मे ।

९. बालाः पुष्पाणि \_\_\_\_\_ ।

(गृहाण, गृह्णीरन्, गृह्णीयात्)

उत्तरः बालाः पुष्पाणि गृह्णीरन् ।

१०. त्वं श्लोकार्थं \_\_\_\_\_ ।

(जानीहि, जानाति, अजानीम)

उत्तरः त्वं श्लोकार्थं जानीहि ।

**व्याकरण-विवेचनम्-३**

\*प्र.१. धातवः।

| वर्तमानकालः।  |           |            |                  |              |                         |          |
|---------------|-----------|------------|------------------|--------------|-------------------------|----------|
| क्र.          | रूपम्     | मूलधातुः   | गणः, पदम्        | कालः / अर्थः | पुरुषः                  | वचनम्    |
| १.            | प्राहुः   | प्र + ब्रू | २ उ.प. येथे प.प. | वर्तमानकालः  | तृतीयः (वैकल्पिक रूपम्) | बहुवचनम् |
| २.            | भुञ्जहे   | भुज्       | ७ उ.प. येथे आ.प. | वर्तमानकालः  | प्रथमः                  | बहुवचनम् |
| ३.            | छिन्दन्ति | छिद्       | ७ प.प.           | वर्तमानकालः  | तृतीयः                  | बहुवचनम् |
| ४.            | मिमीते    | मा         | ३ आ.प.           | वर्तमानकालः  | तृतीयः                  | एकवचनम्  |
| ५.            | वेत्ति    | विद्       | २ प.प.           | वर्तमानकालः  | तृतीयः                  | एकवचनम्  |
| ६.            | जिह्वेति  | ही         | ३ प.प.           | वर्तमानकालः  | तृतीयः                  | एकवचनम्  |
| प्रथमभूतकालः। |           |            |                  |              |                         |          |
| क्र.          | रूपम्     | मूलधातुः   | गणः, पदम्        | कालः / अर्थः | पुरुषः                  | वचनम्    |
| ७.            | अददुः     | दा         | ३ उ.प. येथे प.प. | प्रथमभूतकालः | तृतीयः                  | बहुवचनम् |
| आज्ञार्थः।    |           |            |                  |              |                         |          |
| क्र.          | रूपम्     | मूलधातुः   | गणः, पदम्        | कालः / अर्थः | पुरुषः                  | वचनम्    |
| ८.            | ब्रूष्व   | ब्रू       | २ उ.प. येथे आ.प. | आज्ञार्थः    | द्वितीयः                | एकवचनम्  |
| ९.            | देहि      | दा         | ३ उ.प. येथे प.प. | आज्ञार्थः    | द्वितीयः                | एकवचनम्  |
| विध्यर्थः।    |           |            |                  |              |                         |          |
| क्र.          | रूपम्     | मूलधातुः   | गणः, पदम्        | कालः / अर्थः | पुरुषः                  | वचनम्    |
| १०.           | भुञ्जीरन् | भुज्       | ७ उ.प. येथे आ.प. | विध्यर्थः    | तृतीयः                  | बहुवचनम् |

\*प्र.२. उचितं पदं चित्वा रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत।

१. वयं मधुराणि आम्रफलानि \_\_\_\_\_ ।

(भुनजामहै, भुनजै, भुनजानि)

उत्तर: वयं मधुराणि आम्रफलानि भुनजामहै।

२. \_\_\_\_\_ साधवो समीचीनम्।

(ब्रूते, ब्रुवते, प्राह)

उत्तर: ब्रुवते साधवो समीचीनम्।

३. स्वभावो यादृशो यस्य न \_\_\_\_\_ कदाचन।

(जहति, जहाति, जहामि)

उत्तर: स्वभावो यादृशो यस्य न जहाति कदाचन।

४. मन्त्रोपदेशात् मूढोऽपि सुखम् \_\_\_\_\_ ।

(उपभुञ्जे, भुञ्जते, उपभुङ्क्ते)

उत्तर: मन्त्रोपदेशात् मूढोऽपि सुखम् उपभुङ्क्ते।

५. जनाः एतेषु षट्सु वैद्येषु नावधानं \_\_\_\_\_ ।

(ददाति, ददति, दत्ते)

उत्तर: जनाः एतेषु षट्सु वैद्येषु नावधानं ददति।

६. त्वं \_\_\_\_\_ मे चतुरः प्रश्नान्।

(ब्रूहि, प्राहुः, अब्रवीत्)

उत्तर: त्वं ब्रूहि मे चतुरः प्रश्नान्।

७. दिलीपः स्वप्रजाः \_\_\_\_\_ ।

(अभुङ्क्त, अभुनक्, अभुञ्जत)

उत्तर: दिलीपः स्वप्रजाः अभुनक्।

टीप - भुज् (७ उभयपद) हा धातू परस्मैपदी असता 'रक्षण करणे' असा तर आत्मनेपदी असता 'खाणे' असा अर्थ होतो. प्रस्तुत वाक्यात दिलीप प्रजेचे रक्षण करतो म्हणून 'अभुनक्' (प. प. रूप) वापरले आहे.

८. सोमशर्मा सात्त्विकमल्पं प्रातराशं \_\_\_\_\_ सन्तुष्टोऽभवत्।

(भुक्त्वा, भोक्तुं, भुक्तम्)

उत्तर: सोमशर्मा सात्त्विकमल्पं प्रातराशं भुक्त्वा सन्तुष्टोऽभवत्।

९. भृशं सम्भ्रमितान् सहचरान् वर्धमानः \_\_\_\_\_ ।

(उक्तम्, उक्ता, उवाच)

उत्तरः भृशं सम्भ्रमितान् सहचरान् वर्धमानः उवाच ।

१०. द्रोणाचार्यः पाण्डवेभ्यः गुरुकुले एव ज्ञानम् \_\_\_\_\_ ।

(ददति, अदत्त, अददुः)

उत्तरः द्रोणाचार्यः पाण्डवेभ्यः गुरुकुले एव ज्ञानम् अदत्त ।